सात शानदार तरीकों से हम पर असर डालेगी एआई

परिचय - हमारे यहाँ आग को नियंत्रित करने से तकनीक की शुरूआत हुई जो छपाई बिजली, कंप्यूटर के साथ आगे बढ़ती गई। इन्हें हम जेनरल पर्पज टेक्नालॉजी अर्थात् जीपीटी कह सकते हैं, जो अर्थव्यवस्था से मानवता तक हर चीज को प्रभावित करता है।

सात नए तरीके से प्रभाव -

1) नया यूआई/यूजर इंटरफेस - यूआई में परिवर्तन मनुष्य की उत्पादकता में वृद्धि करेगा। जेनेरेटिव एआई से हम आवाज द्वारा ही मशीनों से समन्वय बिठाकर काम कर सकेंगे।

2) नए प्लेटफार्म एजेंट - ये एजेंट हमारी यात्रा की प्लानिंग जैसे कार्य भी हमारी पसंद व प्राथमिकताओं के आधार पर करेंगे। टिकट व होटल बुकिंग भी करेंगे। जीपीटी जैसे प्रोटोएजेंट हमें दिखने भी लगे हैं।

3) सर्विस एज ए साफ्टवेयर - इसमें एक एआई एजेंट के द्वारा आपका टैक्स रिटर्न फाइल किया जाएगा। इसमें ग्राहक की जगह कंपनी ही वांछित परिणाम के लिए जिम्मेदार होगी।

4) कोडिंग - हम किसी भी भाषा में कंप्यूटर को अपना निर्देश दे सकेंगे। इससे उत्पादकता में क्रांति आ सकती है। अब हमें मशीनों की नहीं बल्कि मशीनों को हमारी भाषा समझने की आवश्यकता है।

5) नया एआई फोन - इसे हम बोलकर कमांड कर सकेंगे। एप की जगह एजेंट होंगे। एंड्रायड आपरेटिंग सिस्टम की बजाय इंसानी भाषा समझने वाले सिस्टम होंगे।

6) मुख्य मानव संसाधन अधिकारी अब नए सूचना अधिकारी होंगे। कर्मचारियों में AI की समझ बढ़ानी होंगी, जिससे वे इससे लाभान्वित हो सकें।

7) इंसानों की नयी प्रजाति - यह एक अतिरंजित विचार है, जिसमें हम एआई और बायोटेक्नालॉजी द्वारा महामानव अर्थात् होमोडेस बना सकते है यहाँ डेस का अर्थ ईश्वर है।

*****